अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 गलत संदेश ...
6 IND vs BAN दूसरे टेस्ट में लगेगी रिकॉर्ड्स की झड़ी, अश्विन-जडेजा और रोहित नाम कर सकते हैं ये कीर्तिमान...
7 भोपाल शहर को झुग्गी मुक्त करने की शीघ्र बने कार्य योजना - मुख्यमंत्री डॉ. यादव...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-33 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 24 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

कर्नाटक हाई कोर्ट ने की खारिज की सिद्धारमैया की याचिका, मुडा स्कैम मामले में दर्ज होगी FIR

कर्नाटक हाई कोर्ट ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की याचिका को खारिज कर दिया है। कांग्रेस नेता ने इस याचिका में रद्द घोटाले में उनके खिलाफ अभियोजन के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने कहा कि सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलेगा।

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को बड़ा झटका लगा है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने उन्हें कोई राहत देने से इनकार कर दिया है। माला मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति देने का है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी रिट याचिका पर सुनवाई के बाद हाई कोर्ट बेंच ने फैसला दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि सिद्धारमैया पर केस चलेगा।

सिद्धारमैया की याचिका पर एकल न्यायाधीश की पीठ ने सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सिद्धारमैया

की ओर से प्रतिनिधित्व किया। वहीं उनकी याचिका के खिलाफ राज्यपाल थावरचंद गहलोत की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें दीं।

12 सितंबर से फैसला था सुरक्षित

न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना, ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से जुड़े मामले में 12 सितंबर को पहले फैसला सुरक्षित रखा था। मंगलवार को इसका फैसला आया। यह विवाद मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण के मैसूर शहर में सिद्धारमैया की पत्नी को अवैध रूप से 14 प्रमुख स्थलों का आवंटन करने के आरोपों पर केंद्रित है।

बढ़ेंगी सिद्धारमैया की मुसीबतें

19 अगस्त को जारी अंतरिम आदेश में हाई कोर्ट ने सिद्धारमैया को अस्थायी रूप से राहत दी थी। कोर्ट ने बेंगलुरु की एक विशेष अदालत को आगे की कार्यवाही रोकने और राज्यपाल की मंजूरी के आधार पर किसी भी कार्रवाई से परहेज करने का निर्देश दिया था। अब याचिका खारिज होने के बाद सिद्धारमैया की मुसीबतें बढ़ सकती हैं।

पवन कल्याण Vs प्रकाश राज- सेक्युलरिजम म्यूचुअल होना चाहिए..., तिरुपति लड्डू विवाद पर भिड़े साउथ के दो सुपरस्टार

तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलने वाले लड्डुओं के मिलावट भरे घी का मामला पूरे देश में लोगों को हैरान कर रहा है. इस मामले को लेकर आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, तेलुगू फिल्म स्टार पवन कल्याण ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा, तो उनकी बातों को जानेमाने एक्टर प्रकाश राज ने क्रिटिसाइज किया. अब पवन ने उन्हें जवाब दिया है।

प्रकाश राज ने क्या कहा था?

पवन कल्याण ने ये मामला सामने आने के बाद कहा था कि वो इससे बहुत आहत हैं. अपने पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा कि शायद अब राष्ट्रीय स्तर पर एक **सनातन धर्म रक्षण बोर्ड** बनाने का समय आ गया है जो पूरे भारत में मंदिरों से संबंधित मुद्दों पर नजर रखे।

पवन के इस बयान पर रिएक्ट करते हुए जानेमाने एक्टर प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पर लिखा, डियर पवन कल्याण, ये उस राज्य में हुआ है जहां आप उपमुख्यमंत्री हैं. प्लीज जांच कीजिए, दोषियों को ढूंढिए और कड़ी कार्रवाई कीजिए. आप इस मुद्दे को सेंसेशनल क्यों बना रहे हैं और इसे राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा क्यों बनाना चाहते हैं? देश में पहले ही बहुत सामुदायिक तनाव है

पवन कल्याण ने कहा सेक्युलरिजम म्यूचुअल होना चाहिए

प्रकाश राज की बात का जवाब देते हुए अब पवन कल्याण ने कहा है कि वो **हिंदुत्व की पवित्रता और खाद्य पदार्थों में मिलावट** के बारे में बोल रहे हैं. ए.एन.आई. के अनुसार, पवन ने कहा, मुझे इन मामलों में क्यों नहीं बोलना चाहिए? मैं आपका सम्मान करता हूं प्रकाश राज, और जब बात सेकुलरिज्म की आती है, तो ये म्यूचुअल होना चाहिए. मुझे नहीं समझ आता कि आप मेरी आलोचना क्यों कर रहे हैं? क्या मैं सनातन धर्म पर अटैक के बारे में नहीं बोल सकता? प्रकाश को ये सबक सीख लेना चाहिए. फिल्म इंडस्ट्री या किसी को भी इस मुद्दे को हल्के में नहीं लेना चाहिए, मैं सनातन धर्म को लेकर बहुत सीरियस हूं। पवन ने आगे कहा कि उनके लिए सनातन धर्म सबसे महत्वपूर्ण है और इस मामले में हर हिंदू को जिम्मेदारी लेनी चाहिए. अपनी बात खत्म करते हुए पवन ने कहा, अगर किसी दूसरे धर्म में ऐसा होता तो बहुत बड़ा आंदोलन हो जाता।

ढाबे-रेस्तरां के हर कर्मचारी का होगा पुलिस वेरिफिकेशन, नाम डिस्प्ले करना होगा अनिवार्य...योगी सरकार का नया फरमान

यूपी में अब खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावट करने वालों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा. साथ ही ढाबों और रेस्टोरेंट में काम करने वाले कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन भी किया जाएगा. इसको लेकर सीएम योगी ने निर्देश जारी कर दिया है।

उत्तर प्रदेश में खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावट पाए जाने पर रेस्टोरेंट व ढाबा संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. इसको लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश जारी कर दिया है. खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावट को लेकर मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक ली. इस दौरान उन्होंने कई दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट मिलाना वीभत्स है. यह सब स्वीकार नहीं किया जाएगा. अब ऐसे ढाबों/रेस्टोरेंट खान-पान के प्रतिष्ठानों की सघन जांच होगी. साथ ही प्रतिष्ठानों में काम करने वाले हर कर्मचारी का पुलिस वेरिफिकेशन भी होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खान-पान की चीज़ों की शुद्धता-पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यक संशोधन के निर्देश दिए हैं. जिसके अनुसार खान-पान के केंद्रों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि का नाम और पता डिस्प्ले करना अनिवार्य होगा. अब शेफ हों या वेटर सभी को मास्क और ग्लव्स लगाना होगा।

हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/अखाद्य/गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं. ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं. ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किया जा सकते. उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, **इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक हैं-**

ऐसे ढाबों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की जांच की जानी आवश्यक है. प्रदेशव्यापी सघन अभियान चलाकर इन प्रतिष्ठानों के संचालक सहित वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों का सत्यापन किया जाए. खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, पुलिस व स्थानीय प्रशासन संयुक्त टीम द्वारा यह कार्यवाही शीघ्रता से सम्पन्न कराई जाए।

खान-पान के प्रतिष्ठानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि के नाम और पता प्रमुखता से डिस्प्ले किये जाने चहिये. इस संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यकतानुसार संशोधन भी किया जाए।

ढाबे/होटलों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी की व्यवस्था हो। न केवल ग्राहकों के बैठने के स्थान पर बल्कि प्रतिष्ठान के अन्य हिस्सों को भी सीसीटीवी से कवर होना चाहिए. यह सुनिश्चित किया जाए कि हर प्रतिष्ठान संचालक सीसीटीवी की फीड को सुरक्षित रखेगा और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस/स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराएगा।

32 दिनों में दसरी बार जेलेंस्की से क्यों मिले पीएम मोदी? जल्द पुतिन से भी हो सकती है मुलाकात, सामने आया बड़ा प्लान

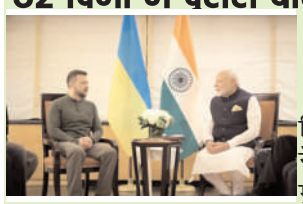

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिवसीय सफल और सार्थक अमेरिकी यात्रा के बाद नई दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं। क्वाड सम्मेलन के इतर पीएम मोदी ने कई अन्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ पीएम मोदी की मुलाकात दुनिया भर में चर्चा में रही। 32 दिनों के भीतर यह दूसरी बार है जब पीएम मोदी ने जेलेंस्की से मुलाकात की । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 32 दिनों के भीतर दूसरी बार यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में अपनी अमेरिकी यात्रा के तीसरे दिन वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इससे पहले 23 अगस्त को अपनी यूक्रेन यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने जेलेंस्की से मुलाकात की थी।

संपादकीय

गलत संदेश

पश्चिम बंगाल सरकार ने झारखंड से लगी सीमा अचानक बंद कर दी है। इससे दोनों राज्यों के बीच तनाव बढ़ गया है। झारखंड की सत्ताधारी पार्टी JMM ने जवाबी कार्रवाई में जरूरी सामानों की आपूर्ति रोकने की धमकी दी है। यह घटना दोनों राज्यों के संबंधों के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। इससे दोनों राज्यों के आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने अचानक जिस तरह से झारखंड के साथ लगती अंतरराज्यीय सीमा को बंद कर दिया और जवाब में झारखंड की सत्तारूढ़ पार्टी छ्रस्रूवहां से जरूरी सामानों की सप्लाई रोकने की धमकी दे रही है, वह दो राज्यों के आपसी रिश्तों के लिहाज से बहुत ही खराब प्रसंग माना जाएगा। इस टकराव से दोनों राज्यों के सामान्य लोगों की परेशानियों में इजाफा भले हो जाए, विवाद निपटाने में कोई मदद नहीं मिलने वाली।

बाढ़ में डूबे 11 जिले ~ दरअसल, दामोदर वैली कॉरपोरेशन (छ्ङ्कष्ट) की ओर से पानी छोड़ा गया। वहीं, पश्चिम बंगाल के 11 जिले बाढ़ में डूब गए थे। मुख्यमंत्री और ञ्जस्स्न्ष्ट चीफ ममता बनर्जी इसे %मानव निर्मित बाढ़% कह रही हैं। उनका आरोप है कि झारखंड स्थित छ्ङ्कष्ट से पानी छोड़े जाने के कारण यह बाढ़ आई। लेकिन तथ्य यह भी है कि पिछले दो-तीन दिनों से उन इलाकों में तेज बारिश हुई है। बताया जा रहा है कि बारिश के कारण झारखंड के जलाशय खतरे के निशान के आसपास पहुंच गए थे।

कमिटी की देखरेख में फैसला ~ सबसे बड़ी बात यह है कि पानी छोड़ने का फैसला राज्य सरकार का नहीं होता, न ही इसके पीछे तात्कालिक राजनीतिक समीकरणों की कोई भूमिका होती है। इसका पूरा सिस्टम काफी पहले से बना हुआ है। कब कितना पानी छोड़ा जाना है, यह निर्णय एक रेग्युलेशन कमिटी करती है जिसमें दोनों राज्य सरकारों के प्रतिनिधि भी शामिल होते हैं। सभी संबंधित पक्षों को सही समय पर फैसले की सूचना देने की भी प्रक्रिया पूरी तरह परिभाषित है।

परस्पर विरोधी दावे ~ ममता बनर्जी का कहना है कि इस बार उनकी सरकार को समय पर सूचित नहीं किया गया जबकि दामोदर वैली कॉरपोरेशन और केंद्र सरकार का कहना है कि इस बार भी पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया है। अगर अमल में किसी तरह की गड़बड़ी हुई है तो इस बात की जांच की जा सकती है कि सूचना देने या संबंधित व्यक्ति तक पहुंचने में किस स्तर पर और किस वजह से चूक हुई। आरोप-प्रत्यारोप को इस स्तर पर ले जाने से हालात को बेहतर बनाने में कोई मदद नहीं मिलने वाली।

विपक्षी समन्वय पर सवाल ~ वैसे, ममता बनर्जी ने तकनीकी तौर पर बॉर्डर सील करने की वजह यह बताई है कि झारखंड से आने वाली गाड़ियां बाढ़ के पानी में बह न जाएं। लेकिन अगर बात यही होती तो झारखंड की तरफ से जरूरी सामानों की सप्लाई रोकने की धमकी नहीं आती। ध्यान रहे, झारखंड में विपक्षी गठबंधन ड्ड.ह्.ष्ठ.ड्ड.. की सरकार है और तृणमूल कांग्रेस भी विपक्षी खेमे का ही हिस्सा मानी जाती है। ऐसे में इन दोनों सरकारों के बीच इस तरह का विवाद विपक्ष की राजनीति को लेकर भी कोई अच्छा संदेश नहीं दे रहा।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

हरियाणा में कुमारी सैलजा के सीएम पद की दावेदारी से BJP को कितना फायदा?

कुमारी सैलजा 12 सितंबर से हरियाणा में पार्टी के प्रचार से दूर थीं. हालांकि कहा जा रहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें मना लिया है. 26 सितंबर से सैलजा कांग्रेस का प्रचार करने लगेंगी. पर सैलजा पूरी शिद्दत के साथ सीएम पद की दावेदारी की बात कर रही हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और बीजेपी के बीच आमने-सामने की टक्कर चल रही है. जाट और दलित वोटर्स के भरोसे कांग्रेस बढ़त बनाती दिख रही थी पर दलित नेता कुमारी सैलजा की नाराजगी पार्टी पर भारी पड़ती दिख रही है. कुमारी सैलजा 12 सितंबर से हरियाणा में पार्टी के प्रचार से दूर थीं. हालांकि कहा जा रहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें मना लिया है. 26 सितंबर से सैलजा कांग्रेस का प्रचार करने लगेंगी. रणदीप सुरजेवाला ने भी ट्वीट करके यह जानकारी दी है. पर इस बीच जिस तरह सैलजा खुद को सी एम पद का दावेदार बताने लगी हैं उससे क्या कांग्रेस को खतरा नहीं हो सकता है? 23 सितंबर को आज तक पंचायत में उन्होंने सीएम पद की दावेदारी से इनकार नहीं किया और फिर इंडियन एक्सप्रेस से भी बातचीत में भी उन्होंने अपने आपको सीएम पद का दावेदार बताया है. मतलब साफ है कि वो सीएम पद के लिए पार्टी नेतृत्व से आश्वस्त हो जाना चाहती हैं।

1-क्या सैलजा के समर्थन में राहुल गांधी भी हैं

अब जब कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से मुलाकात के बाद कुमारी सैलजा ने साफ कर दिया है कि? वो 26 सितंबर को नरवाना से प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगी। इस खबर के सामने आने के बाद यह भी खबर आई है कि राहुल गांधी भी हरियाणा चुनाव में प्रचार उतरने का दिन तय कर दिया है। जिस दिन कुमारी सैलजा चुनाव प्रचार के लिए उतरेंगी, उसी दिन यानी 26 सितंबर को राहुल गांधी भी चुनाव प्रचार करने हरियाणा के मैदान में होंगे. कांग्रेस पार्टी को नजदीक से जानने वालों को पता है कि राहुल गांधी पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर हुड्डा के बजाय हमेशा से कुमारी सैलजा को तरजीह देते रहे हैं। बीच में ऐसी भी खबरें आई थीं कि सैलजा को सीएम पद का उम्मीदवार बनाकर कांग्रेस गेम कर सकती है।

इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि सैलजा को उम्मीदवार बनाकर कांग्रेस उत्तर भारत में बीजेपी से लीड लेते हुए दिख सकती थी. पर हरियाणा कांग्रेस में हुड्डा की मजबूत उपस्थिति से इनकार नहीं किया जा सकता. कांग्रेस नेतृत्व किसी भी कीमत पर हुड्डा को नाराज कर हरियाणा में सफल होने का सपना नहीं पाल सकती है. शायद यही कारण था कि सैलजा की सीएम पद की उम्मीदवारी मुल्तवी हो गई. पर सैलजा के प्रति जो अपमानित करने वाले शब्द बोले गए और उनके खासमखास दो समर्थकों के टिकट जो जानबूझकर काटे गए उसे वो बर्दाश्त नहीं कर सकीं. आज करीब 12 दिनों से यही कारण है कि वो प्रचार से गायब हैं. हो सकता है कि राहुल गांधी को भी यह सब बुरा लगा हो।

अब कहा जा रहा है कि राहुल गांधी 26 सितंबर से हरियाणा में चुनाव प्रचार की शुरुआत करेंगे. लेकिन सबसे खास बात, उन्होंने पहली चुनावी रैली असंध से उम्मीदवार शमशेर सिंह के लिए करना तय किया है. शमशेर सिंह को कुमारी सैलजा का करीबी माना जाता है। हुड्डा खेमे के लिए भी राहुल गांधी उसी दिन करेंगे प्रचार करेंगे। दोनों गुटों को साधे रखने में कांग्रेस को मदद मिलेगी. हुड्डा और सैलजा खेमे के बीच हरियाणा चुनाव में काफी तगड़ी लड़ाई है और कांग्रेस नहीं चाहती कि इनकी लड़ाई में पार्टी को कोई नुकसान हो जाए।

2-क्या यह कांग्रेस का पोलिटिकल गेम है

राजनीति दुरभिसंधियों का खेल है. जिस तरह कांग्रेस में पहले कुमारी सैलजा नाराज होती हैं और फिर करीब 2 हफ्ते के बाद मैदान में फिर आने का संकेत देती हैं उससे कई बातें सामने आती हैं।

पहली बात यह है कि हरियाणा के पिछले विधानसभा चुनावों या 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को जो वोट मिले हैं क्या वो अकेले कुमारी सैलजा की वजह से मिले हैं। इसका उत्तर सीधे नहीं है. उत्तर प्रदेश में कुमारी सैलजा जैसा कोई भी कद्दावर दलित नेता नहीं है फिर भी कांग्रेस को इस समुदाय को वोट मिले हैं.संविधान बचाओ के मुद्दे पर कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों में दलितों का अच्छा खासा वोट शेयर हासिल किया अब विधानसभा चुनावों में भी काफी कुछ स्थिति वैसी ही है। इसलिए ऐसा नहीं कहा जा सकता कि कुमारी सैलजा की नाराजगी की वजह से कांग्रेस के वोट कम हो जाएंगे। और यह भी नहीं कहा जा सकता कि अगर वो कांग्रेस के साथ रहेंगी तो दलितों का वोट नहीं बंटेगा।

हां एक बात और हो सकती है. अगर कांग्रेस प्रचार के दौरान सैलजा खुद को सीएम उम्मीदवार बताती रहीं तो इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि प्रदेश के दलित वोटों में कांग्रेस की हिस्सेदारी थोड़ी और बढ़ जाए.इसलिए ये भी हो सकता है कि कांग्रेस पार्टी की सोची समझी रणनीति के तहत कुमारी सैलजा की पहले नाराजगी फिर उन्हें सीएम पद की दावेदारी की बात करने की छूट देना इसी रणनीति के तहत हो रहा हो।

3-हुड्डा और सैलजा की लड़ाई में बीजेपी को कितना फायदा होने की उम्मीद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अशोक तंवर और कुमारी सैलजा का उदाहरण देते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उसे दलित विरोधी पार्टी करार दिया.वे हरियाणा के टोहाना और यमुनानगर में दो रैलियों को संबोधित कर रहे थे.शाह कहते हैं कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा दलित नेताओं का अपमान किया है, चाहे वह अशोक तंवर हों या बहन कुमारी सैलजा.टोहाना में शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी एक दलित विरोधी पार्टी है। मैं हुड्डा जी और राहुल बाबा को 2005 के गोहाना कांड की याद दिलाना चाहता हूं. इसके लिए कौन जिम्मेदार था?

यह कांग्रेस थी। गृह मंत्री ने 2010 के मिर्चपुर कांड का भी जिक्र किया, जिसमें कई दलित परिवारों को पलायन करने के लिए मजबूर किया गया था, जब ऊंची जाति के लोगों ने उनके घरों को आग लगा दी थी. इस घटना में एक किशोरी और उसके पिता की जलकर मौत हो गई थी. गोहाना में भी एक दलित पर ऊंची जाति के व्यक्ति की हत्या में शामिल होने का संदेह होने पर दलितों के कुछ घरों को आग लगा दी गई थी।

जाहिर है कि बीजेपी सैलजा की नाराजगी को कैश करना चाहती है. अमित शाह ही नहीं प्रदेश के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर भी सैलजा को बीजेपी में आने की दावत दे रहे हैं. पर सैलजा शायद पार्टी का साथ नहीं छोड़ना चाहती हैं।

हरियाणा के वरिष्ठ पत्रकार आदेश रावल एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहते हैं कि बीजेपी ने दलित वोटों के लिए ही इनेलो और बीएसपी का गठबंधन करवाई है और दूसरी ओर जेजेपी और चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी के बीच गठबंधन हुआ है.पर इन गठबंधनों का कांग्रेस के ऊपर कोई असर नहीं होने वाला है.हालांकि रावल यह जरूर स्वीकार करते हैं कि पिछले 10 दिनों में कांग्रेस पार्टी की लोकप्रियता में जरूर गिरावट हुई है.

इंदौर में बच्चों से कराई जा रही ड्रग सप्लाई-मंत्री विजयवर्गीय के क्षेत्र की 200 गलियों में नशे का कारोबार; महिलाएं बोलीं-डर लगता है

मैं चौकी पर खड़े पुलिस अफसरों को तीन दिन की मोहलत दे रहा हूं। तीन दिन में यहां जितने भी नशा बेचने वाले..नशा करने वाले लोग हैं, उन पर सख्त एक्शन लें। चाहे वो कोई भी हो। उन्हें उठाकर उल्टा लटका देना। हम आएं तो हमें एक मोटी माला पहना देते हैं, फिर गलत धंधे करते हैं। आप बिल्कुल चिंता मत करना। तीन दिन का समय दे रहा हूं, नहीं तो हम सख्त कार्रवाई करेंगे।

21 सितंबर को इंदौर के भागीरथपुरा में पुलिस चौकी के पास कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह चेतावनी दी थी। वे यहां भाजपा के सदस्यता अभियान में शामिल हुए थे। इसी दौरान महिलाओं ने उन्हें घेरकर इलाके में नशे के कारोबार को लेकर शिकायत की थी। इस पर विजयवर्गीय ने पुलिस को आड़े हाथ लिया था।

महिलाओं के प्रदर्शन और मंत्री की एक्शन की चेतावनी के बाद इलाके के हालात जाने। पड़ताल में सामने आया कि जहां यह विरोध प्रदर्शन हुआ था, वहां करीब 200 गलियों में ड्रग पैडलर्स घूमते रहते हैं। वे बस्ती के 8 से 15 साल के बच्चों को 30 से 50 रुपए देकर पुड़िया सप्लाई करा रहे हैं। ड्रग एडिक्ट को बच्चे का हुलिया बता दिया जाता है, जो तय जगह पर माल ले लेता है।

इंदौर में बच्चों से कराई जा रही ड्रग सप्लाई-मंत्री विजयवर्गीय के क्षेत्र की 200 गलियों में नशे का कारोबार; महिलाएं बोलीं-डर लगता है।

मैं चौकी पर खड़े पुलिस अफसरों को तीन दिन की मोहलत दे रहा हूं। तीन दिन में यहां जितने भी नशा बेचने वाले..नशा करने वाले लोग हैं, उन पर सख्त एक्शन लें। चाहे वो कोई भी हो। उन्हें उठाकर उल्टा लटका देना। हम आएं तो हमें एक मोटी माला पहना देते हैं, फिर गलत धंधे करते हैं। आप बिल्कुल चिंता मत करना। तीन दिन का समय दे रहा हूं, नहीं तो हम सख्त कार्रवाई करेंगे।

21 सितंबर को इंदौर के भागीरथपुरा में पुलिस चौकी के पास कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह चेतावनी दी थी। वे यहां भाजपा के सदस्यता अभियान में शामिल हुए थे। इसी दौरान महिलाओं ने उन्हें घेरकर इलाके में नशे के कारोबार को लेकर शिकायत की थी। इस पर विजयवर्गीय ने पुलिस को आड़े हाथ लिया था।

महिलाओं के प्रदर्शन और मंत्री की एक्शन की चेतावनी के बाद इलाके के हालात जाने। पड़ताल में सामने आया कि जहां यह विरोध प्रदर्शन हुआ था, वहां करीब 200 गलियों में ड्रग पैडलर्स घूमते रहते हैं। वे बस्ती के 8 से 15 साल के बच्चों को 30 से 50 रुपए देकर पुड़िया सप्लाई करा रहे हैं। ड्रग एडिक्ट को बच्चे का हुलिया बता दिया जाता है, जो तय जगह पर माल ले लेता है।

भागीरथपुरा में गली का नाम पड़ा नशे वाली गली

इंदौर के भागीरथपुरा की आबादी करीब 25 हजार है। यहां कुल 200 गलियां हैं। इनमें ट्रांसमीटर वाली गली, डिस्क वाली गली के साथ ही नशे वाली गली भी है। हालांकि, लगभग हर गली में ड्रग तस्कर एक्टिव हैं।

कमिश्नर ने पुलिस चौकी का पूरा स्टाफ बदल दिया था

भागीरथपुरा किस कदर नशे की चपेट में है, इसे तत्कालीन पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर के एक एक्शन से समझा जा सकता है। देउस्कर ने 4-5 मई 2023 को भागीरथपुरा पुलिस चौकी का 12 लोगों का पूरा स्टाफ एक साथ बदल दिया था। कारण सिर्फ एक था- बढ़ती नशाखोरी..। यह इंदौर की ऐसी पहली कार्रवाई थी। इसे 15 महीने से ज्यादा हो गए लेकिन आज भी हालात नहीं बदले।

क्षेत्रीय पार्षद कमल वाघेला के अनुसार तस्करों के संपर्क

में आए बच्चे भी नशाखोरी करते हैं। वे पैडलर्स बनकर कमाए पैसों से खुद भी नशा करते हैं। कई परिवार तो नशे के कारण बर्बाद हो गए। बच्चे नशे के लिए माता-पिता के साथ मारपीट करते हैं। जब उन्हें रुपए नहीं मिलते तो घर का सामान बेच देते हैं। चोरी करते हैं। सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं।

पुलिस पर दिखावे की कार्रवाई करने के आरोप

स्थानीय रहवासियों ने बताया कि मंत्री के चेतावनी देने के बाद पुलिस ने गलियों में सर्चिंग की। शनिवार को 12 लड़कों को तस्कर, सप्लायर और पैडलर्स बताकर उठाया, फिर छोड़ दिया। हर बार ऐसा ही होता है।

इंदौर क्राइम ब्रांच के एडिशनल DCP राजेश दंडोतिया ने कहा, रविवार को भी कॉम्बिंग गश्त में NDPS के 12 और आबकारी के 8 केस दर्ज किए हैं। दबिश में कुछ बदमाश छत से भाग निकले, कुछ को पकड़ा गया है।

12वीं के स्टूडेंट ने किया सुसाइड-पिता टूर एंड ट्रेवल्स व्यवसायी, पुलिस बोली- मोबाइल से सामने आएगी वजह

इंदौर के बाणगंगा इलाके में रहने वाले 12वीं के स्टूडेंट ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह उसके दादा उठे तो फंदे पर लटके देखा। इसके बाद परिवार को सूचना दी। शव को एमवाय अस्पताल भेजा गया है। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक हर्षित पुत्र प्रदीप सोलंकी निवासी नंदबाग का शव उसके घर में मंगलवार सुबह फंदे पर लटके मिला।

पिता प्रदीप अपने दोस्त पीयूष के साथ बेटे को लेकर एमवाय पहुंचे। पीयूष ने बताया कि हर्षित 12वीं क्लास का स्टूडेंट था। सुबह उसे दादा ने ही पास के कमरे में फंदे पर लटके देखा था। इसके बाद बेटे प्रदीप को आवाज देकर उठाया।

पुलिस के मुताबिक हर्षित के पिता का टूर एंड ट्रेवल्स का व्यवसाय है। परिवार में उसकी एक छोटी बहन भी है। परिवार के मुताबिक हर्षित के कमरे से फिलहाल कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने हर्षित का मोबाइल बरामद कर लिया है। इसकी जांच के बाद आत्महत्या का कारण सामने आने की उम्मीद है।

नदी के तेज बहाव में डूबा स्टूडेंट-एक दिन बाद मिला शव, बारिश के कारण बढ़ गया था नदी का जल स्तर

इंदौर के पास ओखलेश्वर हनुमान मंदिर में दर्शन करने गए 12वीं के एक स्टूडेंट की नजदीक की नदी में डूबकर मौत हो गई। बारिश के कारण आए तेज बहाव में वह खुद को संभाल नहीं पाया। हादसा सोमवार दोपहर का है। उसका शव मंगलवार सुबह झाड़ियों में मिला है।

सिमरोल पुलिस के मुताबिक अजित पुत्र आशीष प्रजापत निवासी कुलकर्णी नगर दोस्तों के साथ ओखलेशर हनुमान मंदिर के दर्शन करने गया था। इस दौरान वह नहाने के लिए नदी में नहाने उतर गया। इस दौरान तेज बारिश होने से अचानक बहाव आया।

अजित के चार दोस्त बहाव से बचकर बाहर की तरफ आ गए। लेकिन तेज पानी के साथ अजित खुद को संभाल नहीं पाया और तेज बहाव के साथ बह गया। दोपहर के बाद दोस्तों ने पुलिस और परिवार को सूचना दी। रात में पुलिस नदी के तेज बहाव के चलते सर्चिंग नहीं कर पाई।

मंगलवार सुबह पुलिस ने तैराकों के साथ सर्चिंग की तो उसका शव झाड़ियों में फंसा मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिये एमवाय अस्पताल भेजा गया है। परिवार में अजित का एक भाई भी है।

इंदौर में BSF की गोली से कंस्ट्रक्शन मैनेजर की मौत

इंदौर के बाणगंगा इलाके में मंगलवार सुबह एक कंस्ट्रक्शन मैनेजर की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस शुरुआत में हत्या को लेकर जांच कर रही थी। लेकिन शरीर में मिली गोली बीएसएफ की निकली। पता चला कि सुबह के समय पस ही में रेवती रेंज स्थित बीएसएफ कैंप में चांदमारी हो रही थी। वहां चली गोली मैनेजर के हाथ को फाड़ कर सीने में जा घुसी। अफसर इस मामले में जल्द खुलासा करेंगे। हादसा तब हुआ जब वह अपनी कार से फैक्ट्री पहुंचे थे। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम बलराम राठौर निवासी हातोद है।

मंगलवार सुबह बलराम कार से ग्राम बरदरी में निर्माणाधीन अग्रवाल फैक्ट्री (सुपर कोरीडोर के नजदीक) पर पहुंचे थे। यहां उन्हें गोली लगी गई। पुलिस कयास लगा रही थी कि बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी है। इधर गंभीर हालत में बलराम को अरविंदो ले जाया गया। यहां कुछ देर बाद डॉक्टरों ने उसकी मौत की पुष्टि कर दी।

बलराम पर पर दो से तीन फायर किए जाने की बात सामने आ रही थी। पुलिस को आसपास की फैक्ट्री से सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। जिसमें बलराम कार से फैक्ट्री की तरफ जाते दिख रहे हैं। हालांकि हत्याकांड की वजह सामने नहीं आई थी।

पोस्टमॉर्टम के दौरान बलराम के सीने में जो गोली निकली वह बीएसएफ फायरिंग रेंज में काम आती है। इसके बाद अफसर बीएसएफ रेंज में पहुंचे तो पता चला कि जिस समय बलराम वहां आए थे, वहां फायरिंग हो रही थी। जिस घटना स्थल पर बलराम को गोली लगी वह बीएसएफ कैंपस से कुछ ही मीटर दूरी पर है।

शेयर में प्रॉफिट के नाम पर 29.60 लाख की ठगी

इंदौर के एक व्यापारी के साथ शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा देने के नाम पर ठगी हो गई। शिकायतकर्ता ने शेयर मार्केट की एडवाइजरी कंपनी को जून से अब तक 29 लाख 60 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद कंपनी ने उनके अकाउंट में काफी प्रॉफिट दिखाया। शिकायतकर्ता ने जब पैसे निकालना चाहे, तो पैसे उनके खाते में नहीं आए। पीड़ित व्यापारी ने पूरे मामले की शिकायत एनसीआरपी पोर्टल पर कर दी। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्राइम ब्रांच ने धनंजय कुमार तिवारी, निवासी श्रीजी वैली, बिचौली मर्दाना की शिकायत पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन ट्रेडिंग करने के लिए कॉल आया। लजार्ड फंड, मुंबई के नाम से प्राइमरी अकाउंट खुलवा कर एप्लिकेशन डाउनलोड कराई गई। शुरुआत में 4 लाख रुपए लिए। धनंजय ने बताया कि 8 जून 2024 को तीन अलग-अलग नंबरों से वॉट्सऐप कॉल आए। उन्होंने शेयर मार्केट में निवेश करने के लिए कहा। आरबीआई का एक लेटर भी भेजा। जिसमें यह बताया गया कि पूरा काम सही तरीके से किया जा रहा है।

शुरुआत में 10 जून और 12 जून को 5-5 हजार के दो पेमेंट डाले गए। दो दिन बाद प्रॉफिट दिखने पर मैंने 1 लाख का पेमेंट किया। इसके बाद अलग-अलग अकाउंट में अब तक 29 लाख 60 हजार रुपए ट्रांसफर किए। मैं जब रुपए निकालने लगा तो अकाउंट में रुपए आए ही नहीं। इसके बाद उन्होंने पूरे घटनाक्रम की शिकायत एनसीआरपी पोर्टल पर की है।

अंक 31 से आगे...

श्री माताजी के अवतरण का उद्देश्य और उनकी क्रांतिकारी खोज

वर्ष 1946 के अंत में इस परिणाम पर पहुँची कि मुझे यह कार्य अत्यन्त चुपके से करना होगा और अपनी अंतर्गत विधियों के माध्यम से खोज निकालना होगा कि मनुष्य के चक्रों तथा नाड़ियों में समस्या का मुख्य कारण ।

''मैंने बहुत मेहनत की। हर एक आदमी की ओर ध्यान दिया देखा और अलग-अलग उनको बिठाया फिर उसका विश्लेषण किया। हजारों लोग जो जीवन में आए, जिनके बारे में मैं पढ़ती थी, मैं जब छोटी थी तो हमेशा लोगों की जीवनी पढ़ती थी...हमेशा हम जीवनियाँ पढ़ते थे। पिछले जीवन में इनको कौन से प्रश्न आए? इसका हल उन्होंने कैसे निकाला? यह आदमी कैसा होगा? इसकी प्रकृति कैसी होगी? इस प्रकार अनेक जीवनी मैं पढ़ती रहती थी ...और जब मैं ये पढ़ने लगी और देखने लगी तब मैंने सोचा कि मैं जिस कार्य के लिए संसार में आई हूँ वह मुश्किल न होगा। सामूहिक चेतना संसार में आनी चाहिए और लोगों की कुंडलिनी जागृत होनी चाहिए। ये कार्य मैं संसार में करके जाऊंगी। ''

''अत: यह(कुंडलिनी जागरण) तरीके मैं खोज रही थी। मेरी अपनी ध्यान-धारण की शैली से **मैं इसे अपने अन्दर कार्यान्वित कर रही थी ताकि सभी क्रम परिवर्तन और संयोजन को कार्यान्वित कर लूँ तथा जब किसी व्यक्ति से मिलूं तो जान सकूँ कि उसमें क्या समस्यायें है और इस समस्याओं को दूर कैसे किया जा सकता है।** ''

''मैंने मानव मस्तिष्क को सूक्ष्मताओं का अध्ययन करना आरंभ किया ताकि मैं देख सकूं कि किस प्रकार मैं उनकी कुंडलिनी उठाऊँ और किस प्रकार उन्हें आत्मसाक्षात्कार दूँ।... मैंने पाया कि मनुष्यों में क्रम-परिवर्तन और संयोजन की बाधायें हैं और यदि मुझे लोगों को सामूहिक आत्मसाक्षात्कार देना है तो मुझे एकदम से इन बाधों पर काबू पाना होगा अर्थात एक ही प्रवचन में हजारों लोगों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान करने का कार्य सम्पन्न करने की योग्यता मुझमें होनी चाहिए...मानव मस्तिष्क के इस अध्ययन में मुझे समय लगा।''

''मैं बहुत से लोगों से मिली ... लोगों की चाल-ढाल देखकर मुझे सदमा पहुँचा...उस समय मेरी मुलाकात बहुत से साधकों से नही हुई, नि:संदेह मैं एक दो साक्षात्कारी लोगों से मिली परन्तु अधिकतर लोग अपने बीमा धन-दौलत आदि के लिए चिन्तित थे... मेरे ये नही समझ में आता था कि किस प्रकार उनसे परमेश्वरी प्रेम से बात की जाए। यहाँ तो सभी लोग सभी से घृणा करते हैं,हर व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के विरूद्ध है, लोग एक दूसरे को धोखा दे रहे हैं, एक दूसरे से ईर्ष्या करते हैं, सभी उच्च पदवियाँ चाहते हैं दूसरों पर शासन करना चाहते हैं और सबकी टाँग खींचना चाहते हैं...चहुँ ओर इस निन्दापूर्ण दृष्टिकोण को जब मैंने देखा तो सोचा कि -''मैं उन्हें कैसे बताऊँ कि वे क्या हैं और उन्हें क्या खोजना हैं।'' वास्तव में यह मेरी इच्छा थी कि ये लोग यदि ये लोग मुझे जरा सा भी मौका दें तो परमेश्वरी प्रेम,जो कि अत्यंत सूक्ष्म है,यह प्रेम उनके हृदय में प्रवेश कर जायेगा,परन्तु ये लोग थोड़ा सा अवसर भी मुझे नही दे रहे थे। वो तो पत्थरों जैसे थे,उनसे बात न की जा सकती थी,उन्हें बताया न जा सकता था...सबसे आवश्यक समस्या तो ये थी कि किस प्रकार मानव हृदय में प्रवेश किया जाये । एक मात्र समाधन उनकी कुंडलिनी को उठाना था।

इस प्रकार सभी तरह के विचार मेरे अंदर उठ रहे थे। मैं उचित वातारवरण और उचित समय की प्रतीक्षा कर रही थी। मुझे लग रहा था कि संभवत: अपना कार्य करने का समय अभी न आया हो परंतु तभी मैंने भयानक कुगुरुओं को अपने सम्मोहन द्वारा लोगों को वश में करते हुए देखा। इसने मुझे यह सोचने पर विवश किया कि वातारवरण की चिन्ता छोड़ कर अब हमें कार्य शुरु कर देना चाहिए और इस प्रकार भारत में प्रथम ब्रह्मरंध्र छेदन घटित हुआ यह 5 मई 1970 का दिन था 5 मई को प्रात: का समय''।

श्री माताजी कैसे किन परिस्थितियों में नारगोल पहुंची इस घटना का वर्णन उन्होंने विस्तार से किया है--

''वर्ष 1970 में एक तथाकथित गुरु(रजनीश) की गोष्ठी में मुझे जाना पड़ा क्योंकि उसने मेरे पति से इसके लिए अनुरोध किया था। मेरे पति के एक मित्र वहाँ रहते थे उन्होंने ही मेरी इस यात्रा का प्रबंध किया । इस व्यक्ति (रजनीश) को देखकर में हैरान थी क्योंकि वह मुझसे आयु में दस वर्ष छोटा होते हुए भी मुझसे बीस वर्ष बड़ी आयु का प्रतीत होता था। मैंने देखा कि वह सभी लोगों को सम्मोहित कर लेता और लोग चीखने चिल्लाने लगते और कुछ तो कुत्तों की तरह भौंकते । सम्मोहन के द्वारा यह लोगों को उनके पूर्वकाल में ले जाता था।

इस घटना से मुझे बहुत अधिक सदमा पहुँचा। एक पेड़ के नीचे बैठकर मैं देख रही थी कि वह क्या कर रहा है?

रात्रि के समय मैं अकेली समुद्र तट पर चली गई और वहाँ बैठकर ध्यान करने लगी कि किस प्रकार अपनी कुंडलिनी का उपयोग लोगों को सामूहिक आत्मसाक्षात्कार देने के लिए कर सकती हूँ । यह वह समय था जब यह कार्यान्वित हुआ और खड़ाक से हो गया। मैं हैरान थी कि तनिक सी गहनता से बैठने मात्र से मैं इसे कार्यान्वित कर सकी।

अनुभव इस प्रकार था-''मैंने देखा कि मेरी कुण्डलिनी बड़ी तीव्रता से उठ रही है और दुरबीन की तरह से खुल रही है। इसका रंग अत्यन्त सुंदर था जैसे आप तपे हुए लोहे में लालिमा में गुलाब रंग देखते हैं, परन्तु यह अत्यन्त शीतल और सुखद था।

कुण्डलिनी मेरे ब्रह्मरन्ध्र को पार करके निकल गई मेरा ब्रह्मरन्ध्र बचपन से ही खुला हुआ था। वह दिव्य लहरियाँ प्रवाहित कर रहा था। इस नव अनुभव ने मुझे अपनी दिव्य शक्ति को पहचानने का एक नया आयाम प्रदान किया एक अत्यन्त आशाजनक, वास्तविकता के रुप मे इसका उद्भव हुआ कि मेरे सामूहिक कार्य आरम्भ करने का समय आ गया है।

(शेष अगले अंक में)

जामुन की लकड़ी डालने से 101 साल तक खराब नहीं होता टंकी का पानी, जानिए क्यों किया जा रहा ऐसा दावा

जामुन की लड़की को लेकर एक वायरल वीडियो में दावा किया जा रहा है कि इसे पानी की टंकी में डालने से पानी 101 साल तक खराब नहीं होता है। अब इतने लंबे समय का तो पता नहीं लेकिन यह सच है कि जामुन की लड़की की वजह से पानी जल्दी खराब नहीं होता है, इससे टंकी बार-बार साफ करने की झंझट खत्म हो जाती है।

पानी की टंकी की सफाई करने को लेकर हर कोई परेशान रहता है, क्योंकि इसकी क्लीनिंग करना आसान नहीं होता है। ज्यादा दिन तक सफाई नहीं करने की वजह से काई जम जाती है यहां तक कि बैक्टीरिया भी बढ़ जाते हैं। आपकी मुश्किल आसान करने के लिए हम जामुन की लड़की वाली ट्रिक बता रहे हैं जो कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

दरअसल जामुन की लड़की को लेकर दावा किया जा रहा है कि इसे पानी की टंकी में डालने से 101 साल तक पानी खराब नहीं होता है। अब आप सोच रहे होंगे कि ऐसा क्यों होता है। और, इस तरह का दावा क्यों जा रहा है तो लेख में हम आपको इसके पीछे का लॉजिक और इस ट्रिक को इस्तेमाल करने का तरीका बता रहे हैं।

क्यों खराब नहीं होता पानी

दरअसल जामुन की लकड़ी में प्राकृतिक एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होते हैं। जो पानी में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया और कवक को मारने में मदद करते हैं। इसलिए जामुन की लकड़ी पानी की टंकी में डालने से टंकी में शैवाल और हरी काई नहीं जमती है। इसलिए पानी को खराब होने से बचाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

महीने में कितनी बार करनी चाहिए फ्रिज की सफाई? लंबे समय तक रेफ्रिजरेटर को क्लीन रखने के टिप्स

फ्रिज की सफाई इसमें स्टोर किए गए फूड्स आइटम्स की सेफ्टी के लिए जरूरी होता है। आपको अपने फ्रिज की सफाई कब और कैसे करनी चाहिए यहां आप इसके बारे में जान सकते हैं।

किचन की सफाई कोई मामूली बात नहीं है। इसमें कई छोटे-बड़े काम शामिल होते हैं। जहां, कुछ चीजों रेगुलर साफ करना पड़ता है जैसे कि काउंटर, बर्तन और फर्श। वहीं, कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें हफ्ते या महीने में एक-दो बार ही साफ करने, जैसे स्टोव, सिंक और कुकिंग अप्लाएंस। इसमें फ्रिज भी शामिल है।

हालांकि फ्रिज की सफाई इस बात पर भी डिपेंड करती है कि इसका यूज आप कितनी अच्छी तरह से करते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप गंदे हाथों से फ्रिज को खोलते-बंद करते हैं, अंदर फूड्स को बिना धोए और अच्छे से पैक किए बगैर रखते हैं, तो आपको फ्रिज की सफाई को नॉर्मल से ज्यादा बार करनी पड़ सकता है।

1 फ्रिज के इन हिस्सों को रोज करें साफ

फ्रिज के कुछ हिस्से हैं जिन्हें नियमित रूप से साफ करना जरूरी है। जैसे कि दरवाजे के हैंडल और बटन जो लगातार छुए जाते हैं, उन्हें हर दिन की सफाई में शामिल करना चाहिए।

शॉर्टलिस्ट हुई थीं 29 फिल्में, सब पर भारी पड़ी

लापता लेडीज

जूरी ने बताया क्यों किया सेलेक्ट

मुंबई. किरण राव के डायरेक्शन में बनी 'लापता लेडीज' को भारत की तरफ से ऑस्कर 2025 के लिए नॉमिनेट किया गया है. इससे मेकर्स खुश तो होंगे, लेकिन नेटिजंस ने आरोप ने सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू कर दी कि पायल कपाड़िया की 'ऑल वी इमेजिन ऐज़ लाइट' ने कान्स में जीत हासिल की, तो उसे ही ऑस्कर के लिए भेजना चाहिए। फिल्म को ऑस्कर भेजने का निर्णय 12 मेंबर वाली एक टीम ने ली, जिसको असमिया फिल्मों के डायरेक्टर जाह्नु बरुआ लीड कर रहे थे. उन्होंने बताया कि लापता लेडीज को ही ऑस्कर के लिए क्यों चुना गया।

जाह्नु बरुआ ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में कहा, जूरी को सही फिल्म को देखनी होती है, जो सभी मामलों में भारत का रिप्रेजेंट करती हो. खासतौर पर फिल्म को भारत के सोशल सिस्टम और लोक व्यवहार का प्रतिनिधित्व करना चाहिए. भारतीयता बहुत जरूरी है और 'लापता लेडीज' ने उस मामले में अच्छा परफॉर्म किया।

जाह्नु बरुआ ने कहा, यह जरूरी है कि भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली सबसे बेस्ट फिल्म को ऑस्कर में ऑफिशियली एंट्री के तौर पर भेजा जाए. 29 फिल्मों के अलावा भी कई और बेहतर फिल्म हो सकती है. लेकिन जूरी केवल उन्हीं में से चुन सकती है जो उन्हें दिए गए हैं, है न? उन्होंने आगे कहा, हम 7-8 दिनों के लिए चेन्नई में थे और हमें भेजी गई 29 फ़िल्में देख रहे थे. इस दौरान हम फ़िल्मों के बारे में गहन चर्चा करते थे।

सबसे अच्छी फिल्मों को सिलेक्ट करने के लिए एक सिस्टम की जरूरतः बरुआ

जाह्नु बरुआ ने कहा,फिल्मों को शॉर्टलिस्ट करते थे और आखिरी में एक नाम पर पहुंचते थे. आम सहमति बनाने के लिए अंतिम चर्चा में सिर्फ आधा दिन लगा क्योंकि हम लगातार फिल्मों के बारे में बातचीत कर रहे थे. जब उनसे पूछा गया कि सिर्फ 29 फिल्में ही शॉर्टलिस्ट में क्यों हुई, तो तो बरुआ ने कहा, हमें यही रास्ता तलाशना होगा. हमें भारतीय सिनेमा से आने वाली फिल्मों के साथ न्याय करने के लिए एक सिस्टम बनाने की ज़रूरत है. क्या हमें सबसे अच्छी फ़िल्म नहीं भेजनी चाहिए?

सिलेक्शन टीम किस तरह करती है काम

जाह्नु बरुआ ने बताया कि इस ज़िम्मेदारी को निभाते हुए उन्हें कोई दबाव महसूस नहीं हुआ. उन्होंने कहा, सब कुछ जूरी मेंबर्स पर निर्भर करता है. हमें एक सख्त नजरिए के साथ चलते हैं और तय करते हैं कि सिलेक्शन प्रोसेस में कोई प्रभाव न पड़े. हममें से हर किसी को अपने दिमाग का इस्तेमाल करना होता और बेस्ट फिल्म को सिलेक्ट करते हैं>

IND vs BAN दूसरे टेस्ट में लगेगी रिकॉर्ड्स की झड़ी, अश्विन-जडेजा और रोहित नाम कर सकते हैं ये कीर्तिमान

बांग्लादेश को पहले टेस्ट में हराकर भारत ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 से अजेय बढ़त बना ली है. अब दूसरा मुकाबला कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से खेला जाएगा. इस मुकाबले में विराट-रोहित समेत कई स्टार भारतीय क्रिकेटर्स बड़े रिकॉर्ड बना सकते हैं।

चेन्नई टेस्ट जीतकर टीम इंडिया का काफिला कानपुर पहुंच चुका है. दो टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ भारत का पलड़ा भारी है. दूसरा मुकाबला 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा. एक तरफ भारत की नजर ये मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी, जबकि मेहमान टीम हर हाल में कानपुर टेस्ट जीतकर सीरीज ड्रॉ कराना चाहेगी. चेपॉक के बाद कानपुर में भी रोहित ब्रिगेड के पास कई बड़े रिकॉर्ड बनाने का मौका है. भारत भी टेस्ट की सबसे सफल टीमों में एक पायदान ऊपर चढ़ सकता है।

चौथे नंबर पर पहुंचेगा भारत!

अगर टीम इंडिया कानपुर टेस्ट अपने नाम करती है, तो वो टेस्ट की चौथी सबसे कामयाब टीम बन सकती है. दरअसल, टीम इंडिया ने अब तक 580 में से 179 मुकाबले जीत लिए हैं, इतने ही टेस्ट दक्षिण अफ्रीका ने भी जीते हैं. कानपुर टेस्ट जीतकर भारत, दक्षिण अफ्रीका से आगे निकल जाएगा.

अश्विन-जडेजा करेंगे ये कमाल!

कानपुर में 9 विकेट लेकर अश्विन, नाथन लियोन से आगे निकल सकते हैं. लियोन के नाम (129 टेस्ट में 530 विकेट), जबकि अश्विन 101 टेस्ट में 522 विकेट ले चुके हैं. इसके अलावा अश्विन टेस्ट मैच की एक पारी में सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल लेने के मामले में दिग्गज शेन वॉर्न (37 बार) से आगे निकल सकते हैं. वह अभी बराबरी पर हैं. वहीं, दूसरी ओर रवींद्र जडेजा 300 टेस्ट विकेट के करीब हैं. कानपुर में एक और विकेट लेते ही वो टेस्ट में 300 विकेट पूरे कर लेंगे. कानपुर में 27 सितंबर से शुरु होने वाले भारत बांग्लादेश टेस्ट की पिच के बारे में बात करे तो यह दोनों टीमों के लिए नई मुश्किलें पैदा कर सकती है।

विराट बनाएंगे वर्ल्ड रिकॉर्ड!

व्यक्तिगत रिकॉर्ड की बात करें तो, कानपुर में महज 35 रन बनाते ही विराट 27 हजार इंटरनेशनल रन बनाने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे. उनके नाम दो रिकॉर्ड और जुड़ सकते हैं. विराट के बल्ले से टेस्ट क्रिकेट में काफी समय से कोई बड़ी पारी नहीं आई है. भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली (फिलहाल 114 टेस्ट में 8871) 9000 टेस्ट रन के करीब हैं. हालांकि इसके लिए उन्हें एक एक बड़ी शतकीय पारी खेलनी होगी. साथ ही, विराट कोहली के नाम 114 टेस्ट में 29 सेंचुरी हैं. वे बांग्लादेश के खिलाफ एक भी शतक लगाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज सर ब्रैडमैन (52 टेस्ट में 29 शतक) से ज्यादा शतक लगा लेंगे।

द्रविड़ से आगे निकलेंगे रोहित!

इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक के मामले में राहुल द्रविड़ से आगे निकल सकते हैं रोहित शर्मा. द्रविड़ के नाम 48 इंटरनेशनल शतक हैं. जबकि रोहित के नाम भी कुल 48 शतक हैं. अगर वो बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेलते हैं, तो वो द्रविड़ को पीछे छोड़ सकते हैं।

पिच का मिजाज सबसे अहम

चेन्नई की लाल मिट्टी के बजाय कानपुर की पिच काली मिट्टी की होगी. उछाल भी ज्यादा नहीं होगा और गेंद भी अधिक कैरी नहीं करेगी. लाल मिट्टी की पिच अन्य पिच की तुलना में कम पानी सोखती है और इसी कारण जल्दी सूखने भी लगती है. यही कारण है कि मैच के तीन से चार सेशन के बाद पिच में बड़ी-बड़ी दरार पैदा हो जाती हैं. इस पिच पर मैच की शुरुआत में तेज गेंदबाजों को काफी उछाल मिलता है. एक समान उछाल के कारण बल्लेबाजों को भी सेट होने के बाद खेलने में आसानी होती है. मगर जैसे-जैसे मिट्टी में दरार आने लगती है वैसे-वैसे स्पिन गेंदबाजों का पलड़ा भारी होता जाता है और खेल बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

भोपाल शहर को झुग्गी मुक्त करने की शीघ्र बने कार्य योजना - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल को मेट्रोपोलिटन सिटी बनाने के लिए 25 वर्षों का करें प्लान तैयार

मुख्यमंत्री ने की भोपाल जिले के विकास कार्यों की समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल शहर को झुग्गी मुक्त करने के लिए समाधाननिकालने के हर संभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि पहले भवन तैयार करने का कार्य हो फिर झुग्गियों को खाली कराया जाये ताकि लोगों को परेशानी न हो। इस महती कार्य में जन-प्रतिनिधियों से भी समन्वय हो। झुग्गी मुक्त करने के लिए अक्टूबर तक निविदा पूरी कर कार्य शुरू किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सड़कों के स्वीकृत कार्य समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो सड़कें अधूरी हैं, उन्हें जल्द पूरा करें। सड़कों की निविदा प्रक्रिया होने के बाद अवार्ड समय पर पारित हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में भोपाल के विकास संबंधी कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने भोपाल शहर को झुग्गी मुक्त करने की तैयारियों की जानकारी भी ली। कलेक्टर भोपाल ने विकास कार्यों संबंधी प्रेजेंटेशन दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल को मेट्रोपोलिटन सिटी बनाने के उद्देश्य से आगामी 25 वर्षों के प्लान को ध्यान में रखकर इंफास्ट्रक्चर के कार्य पूरे किये जायें। भोपाल मेट्रोपोलिटन विकास प्राधिकरण के प्रस्तावित कार्यों के अंतर्गत रायसेन, मंडीदीप, सलामतपुर और सांची तक का क्षेत्र, राजगढ़ तथा पीलुखेड़ी क्षेत्र, बैरसिया तथा सूखी सेवनिया क्षेत्र के विकास के लिए कार्ययोजना बेहतर ढंग से तैयार की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल शहर सहित जिले के अन्य स्थानों पर फ्लाई-ओवर का निर्माण कार्य जल्द पूरा हो। भोपाल में बड़े तालाब का स्वरूप प्रभावित हुए बगैर एलिवेटेड कॉरिडोर का प्लान तैयार करें। सीएम राइज स्कूलों का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हो। स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अस्पतालों के भवन निर्माण समय पर किये जाये। अमृत योजना के कार्यों को निर्धारित कार्ययोजना के तहत पूरा करें। आदमपुर बायो-सीएनजी प्लांट का कार्य और कचरे का निष्पादन आधुनिक तकनीक से पूरा हो। जिले में सीवेज, जल व तालाबों का पुनरोत्थान कार्य के लिए लगभग 1522 करोड़ रूपये की स्वीकृति मिली है।

सरकारी भवनों में सोलर ऊर्जा से बिजली उत्पादन करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकारी भवनों में सोलर ऊर्जा से बिजली उत्पादन करें। इस संबंध में अभियान चलाकर भोपाल को आदर्श बनायें। लोगों को प्रेरित किया जाएं, जिससे घरों की छतों पर सोलर पैनल अधिक संख्या में लग सकें। मेट्रो रेल परियोजना के कार्य चरणबद्ध ढंग से पूरे किये जायें। उन्होंने वंदे मेट्रो का प्लान भी तैयार करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस विभाग की आवश्यकताओं के लिए समग्र प्लान बनायें। राजधानी को विकसित करने और ट्रैफिक का प्लान भी बेहतर रूप से बनाया जाये। हाउसिंग बोर्ड, भोपाल विकास प्राधिकरण और स्मार्ट सिटी द्वारा भोपाल के विकास के लिए 25 साल का प्लान तैयार किया जाये। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि उद्योगों और रोजगार के लिए प्रभावी कार्य हो और नीति निवेश के लिए अन्य राज्यों का अध्ययन भी किया जाये।

सड़कों के विकास कार्य

बैठक में बताया गया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग (कोलार) का निर्माण कार्य 305 करोड़ रुपए की राशि से अक्टूबर 2024 तक पूर्ण करना है। इसका 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। कलियासोत डेम से न्यू बायपास मार्ग का कार्य 49. 50 करोड़ रुपए से अक्टूबर 2024 तक पूर्ण किया जाना है, जिसका 99 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। भोपाल शहर

में 42 करोड़ रूपये की लागत से भदभदा-बिलकिसगंज रोड दिसम्बर 2024 तक पूर्ण किया जाना है, जिसकी लंबाई 6 से 13 कि.मी. तक है। इस रोड का 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। पिपलानी बी-सेक्टर खजूरीकलां होते हुए नया बायपास तक फोर लेन सड़क का निर्माण कार्य 25.44 करोड़ रुपए में मार्च 2025 तक पूर्ण होना है, जिसका 45 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी तरह भोपाल चिकलोद मार्ग पर 11 मील चौराहे से बंगरसिया तक 2 लेन से 4 लेन करने का उन्नयन कार्य 49 करोड़ रुपए से दिसम्बर 2025 तक पूर्ण होना है, जिसका 0.50 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। इसी तरह सीपीए-2 विभाग के तहत एम.जी.एम. स्कूल से बायपास को जोड़ने वाले मार्ग का निर्माण 9.39 करोड़ रुपए में दिसम्बर 2025 तक पूर्ण होना है, जिसका कार्य प्रगति पर है।

इंदौर में अगले साल से रियल एस्टेट सेक्टर में कोर्स

एडमिशन के लिए 12वीं पास होना जरूरी, एज लिमिट नहीं

इंदौर में अब रियल एस्टेट सेक्टर में करियर बनाने के लिए कोर्सेज शुरू किए जाएंगे। यूजीसी के तहत अगले साल से इसकी शुरुआत होने की संभावना है। ये डिप्लोमा कोर्स रहेंगे, जो 2 और 3 साल तक के होंगे। फीस कितनी रहेगी ये अभी तय नहीं है। पुणे और मुंबई में इस तरह के कोर्स अभी चल रहे हैं। इन कोर्स में 12वीं पास लोगों को एडमिशन मिलेगा। उम्र की इसमें सीमा नहीं रहेगी। कोई भी व्यक्ति एडमिशन ले पाएगा।

दरअसल, इंदौर में NAR-India गवर्निंग बॉडी की बैठक आयोजित की गई। NAR-India के सिटी चैप्टर इंदौर रियलटर्स वेलफेयर एसोसिएशन (IRWA) के तहत इंदौर रियल एस्टेट उद्योग में रियल एस्टेट ब्रोकर्स, रियलटर्स के हितों और लाभों के लिए कार्य किया जाता है। इसी के तहत कोर्स अगले साल से संचालित होंगे।

IRWA के वाइस चेयरमैन शैलेंद्र जैन ने बताया कि आरआईसीएस कोर्स है। ये रियल एस्टेट से संबंधित कोर्स है। यूजीसी से मान्यता प्राप्त डिप्लोमा कोर्स है। जैसे ब्रोकर के लिए रियल एस्टेट को समझने के लिए बहुत सारी चीजें होती है। बहुत ही संगठित तरीके से रियल एस्टेट होने लगा है। पहले साल का लैंड, वेयर हाउस, वर्टिकल बिल्डिंग फिर ओवर ऑल कोर्स में शामिल रहता है। कोर्स के लिए फैकल्टी पुणे, मुंबई, बेंगलुरु से आएगी।

इंदौर क्लीन सिटी है। यहां मेट्रो भी आ गई है। फ्लाइट कनेक्टिविटी भी अच्छी है। इसलिए यहां अवसर ज्यादा है। रियल एस्टेट ज्यादातर लोग बिना किसी फॉर्मल ट्रेनिंग के काम करते हैं। हमने उन्हें ऑर्गेनाइज तरीके से ट्रेनिंग देने का भी फैसला लिया है।

IRWA की मीटिंग में रियल एस्टेट के बढ़ते स्कोप और इस क्षेत्र में कॅरियर जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। इस तीन दिनीं (19 से 21 सितंबर) प्रोग्राम के तहत शहर के रियलटर्स को लीडरशिप ट्रेनिंग दी गई। साथ ही रियल एस्टेट सेक्टर में होने वाले परिवर्तनों और नए ट्रेंड से भी उन्हें परिचित करवाया गया।

इंदौर में शुरू होंगे नए प्रोजेक्ट

IRWA के प्रेसिडेंट अरविंद गुप्ता ने बताया कि इस तरह कि मीटिंग से ब्रोकर्स को सिटी एक्स्प्लोर करने का मौका मिलता है। वह शहर और उससे जुडी संभावनाएं जान पाते हैं। अध्यक्ष अरविंद गुप्ता और मानद सचिव पीयूष भंडारी ने कहा आने वाले तीन सालों में इंदौर में काफी विकास होगा और इसलिए सभी ने इंदौर में काम शुरू करने में दिलचस्पी जताई। मीटिंग में हमने पूरे देश में एक ही रेरा लागू ही इस पर भी विचार किया, जिससे रियल स्टेट के काम को गति मिल सकें।

ग्रीन बिल्डिंग डेवेलपमेंट पर फोकस

लीडरशिप प्रोग्राम के तहत बंगलौर से आए सीआईआई रियल एस्टेट के को-चेयर और कई बेस्ट सेलर किताबों के लेखक अशविंदर आर सिंह ने बताया कि आज के समय में यंग बायर्स बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। लोग कम उम्र में घर खरीदने लगे हैं।

भारत में पहली बार घर लेने वालों कि संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। अब पूरा फोकस ग्रीन बिल्डिंग और जीरो कार्बन एमिशन पर है। बड़े डेवेलपर्स इसी दिशा में काम कर रहे हैं। अच्छी बात यह है कि घर खरीदने वाले लोग भी इसकी अहमियत समझते हैं और यदि ग्रीन बिल्डिंग बनाने के लिए थोड़ा खर्च अधिक भी हो रहा है तब भी लोग इसे अपनाने में हिचकिचाते नहीं है।

मंत्री सिलावट बोले- संविधान और आरक्षण विरोधी है कांग्रेस इनकी आरक्षण हटाने की धुन नेहरु के जमाने से

कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयानों को लेकर बीजेपी लगातार कांग्रेस को घेरने में लगी है। सोमवार को इंदौर में मंत्री तुलसीराम सिलावट ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। कहा राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी संविधान विरोधी है। यह पार्टी आरक्षण और डॉ. अंबेडकर विरोधी भी है।

सिलावट ने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी हालिया अमेरिकी यात्रा के दौरान कहा है कि वह आरक्षण हटा देंगे। ये वही धुन है जो राहुल गांधी का परिवार नेहरु के जमाने से गाता आ रहा है। कांग्रेस पार्टी ने 57 वर्षों तक देश पर शासन किया, लेकिन इस दौरान उसने अपने राजनीतिक उद्देश्यों को साधने के लिए संवैधानिक प्रक्रियाओं का दुरुपयोग किया और सामाजिक उद्देश्यों की उपेक्षा की। कांग्रेस ने कभी भी संविधान के मूलभूत आरक्षण सिद्धांतों को सही भावना और रूप में लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई।

कन्फेक्शनरी कारोबारी संजय जैसवानी को बचाने के आरोप को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मंत्री सिलावट ने कहा कि न्याय से बड़ा कोई नहीं है, जो दोषी है उसे सजा जरूर मिलेगी। देश में संविधान है, कानून है और देश संविधान, कानून से चलता है, जो भी दोषी हो उस पर कड़ी कार्रवाई होगी। इसके बाद उन्होंने कॉन्फ्रेंस समाप्त कर दी।

जैसवानी की कंपनी में मंत्री सिलावट का बेटा भी पार्टनर

बता दें कि पिछले दिनों संजय जैसवानी ने अपने सीए को घर में दो दिन तक बंधक बनाकर रखा। सीए के परिजन द्वारा जब इस संबंध में विजय नगर थाने में शिकायत की गई तो पुलिस ने सीए को जैसवानी के निवास से छुड़ा तो लिया, लेकिन जैसवानी को गिरफ्तार करने के बजाय पीड़ित सीए एवं उसके साथी को ही रात भर थाने में बैठाकर रखा।

इसके बाद सीए एसोसिएशन के सदस्यों ने विजय नगर थाने में जमकर हंगामा किया था। वहीं एक विदेशी नागरिक को बंधक बनाया गया था। वो शिकायत करने लसूड़िया थाने पर पहुंचा था। उसने संजय जैसवानी पर आरोप लगाए थे। उससे आवेदन ले लिया गया लेकिन केस दर्ज नहीं हुआ।

उसने सोशल मीडिया के माध्यम से पीएम तक शिकायत की। इसके बाद मंत्री के करीबी समर्थक मामले की सेटिंग में लग गए। दूसरी तरफ मंत्री सिलावट का बेटा जैसवानी ग्रुप की एक अन्य कंपनी में डायरेक्टर रहा है। बाद में इस्तीफा दे दिया। इससे भी मंत्री सिलावट और जैसवानी के तार सीधे तौर पर जोड़े गए हैं।

इंदौर; स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं, औसत से 5 इंच कम बारिश- पारा चढ़कर 33 डिग्री पार, सितंबर में गिरा केवल 2 इंच पानी

इंदौर में इस बार अगस्त ने भले ही अच्छा तर किया हो लेकिन सितम्बर के चौथा हफ्ता शुरू होने के बाद भी मौसम की बेरुखी बनी हुई है। इस माह दो इंच ही बारिश हुई है, जबकि माह का औसत कोटा 7 इंच का है। चिंता वाली बात यह है कि सीजन का औसत कोटा 36 इंच का है और 31 इंच ही बारिश हुई है। अब सिर्फ सितम्बर का एक हफ्ता ही बाकी है।

वहीं इसके पहले सितम्बर 2015 में सिर्फ एक इंच ही बारिश हुई थी। अगले हफ्ते तक स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने के संकेत भी नहीं हैं। अगर बारिश नहीं हुई तो एक दशक में सितम्बर माह ऐसा होगा कि माह का औसत बारिश का कोटा भी पूरा नहीं होगा। ऐसे ही सीजन के 5 इंच की कोटा भी पूरा नहीं हो सकेगा।

टैक्स ऑडिट में 7 दिन बचे, MSME का भुगतान चेक करने में लग रहा समय

धार्मिक और पारमार्थिक संस्थाएं, कंपनियों, व्यापारियों आदि को अपना ऑडिट करवाने के लिए 7 दिन बचे हैं। आयकर इंदौर रीजन में 2 लाख ऐसे करदाता हैं

जो ऑडिट की श्रेणी में आते हैं। इसमें से 30 हजार एनजीओ हैं जिनके लिए ऑडिट करवाना अनिवार्य है।

इनमें से 50 से 60% ही अपना ऑडिट करवाने आए हैं। वहीं ऑडिट के दायरे में आने वाली कंपनियों और कारोबारियों की बात करें तो अब तक 60त्न का ऑडिट पूरा हो चुका। आधे लोगों का ऑडिट बचा है और पोर्टल अटकने लगा है। कभी-कभी सिस्टम हैंग हो जाता है। अगर सर्वर पुख्ता नहीं किया तो आने वाले समय में ये परेशानी और बढ़ सकती है। जिन एनजीओ को फॉर्म 10बी भरना है, उन्हें पोर्टल की धीमी गति के कारण 6 से 8 घंटे लग रहे हैं।

नियम बदलने से अतिरिक्त भार आ रहा

आईसीएआई के पूर्व चेयरमैन सीए मनोज फड़नीस ने बताया इस साल एमएसएमई को किए भुगतान को लेकर जो नियम बदले हैं, उनके कारण ऑडिट करते समय पर अतिरिक्त भार आ रहा है। हमें यह देखना पड़ रहा है कि 31 मार्च को कंपनी या व्यवसायी का कितना भुगतान बकाया था और उसमें से कोई 45 दिन से ज्यादा लंबा भुगतान तो नहीं था।

एडिट लॉक पर भी कमेंट करना अनिवार्य टीपीए अध्यक्ष सीए जेपी सराफ ने बताया कंपनियों और व्यवसायियों के लिए पिछले साल का ऑडिट ट्रेल रखना भी अनिवार्य किया था। ऐसे में अकाउंट्स की किसी भी एंट्री में कोई फेरबदल करता है तो इसका भी रिकॉर्ड बनता है। सीए को ऑडिट में कमेंट देना अनिवार्य है।

50-60% एनजीओ ही आए ऑडिट करवाने

सीए राकेश मित्तल ने बताया एनजीओ के ऑडिट को लेकर अब तक सिर्फ 60% चैरिटेबल ट्रस्ट और सोसायटी ने जागरूकता दिखाई है। फॉर्म में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन आखिरी समय पर सारी जानकारी जुटाना मुश्किल हो जाता है। 30 सितंबर के बाद ऑडिट करवाने वालों को पेनल्टी देना पड़ेगा।

एनजीओ के लिए ये जानकारी देना अनिवार्य

ट्रस्ट और एनजीओ को ऑडिट में यह जानकारी देना जरूरी है कि संस्था की मुख्य व्यावसायिक गतिविधियां क्या हैं। कितना राजस्व मिला और कितनी राशि खर्च हुई। यदि आय का उपयोग ट्रस्ट के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए किया है, तो उसका विवरण, संस्था द्वारा एकत्रित आय का विवरण देना अनिवार्य है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)